पाठ 10. रानी बिटिया

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता देश-प्रेम की भावना से ओत-प्रोत है। इस कविता का उद्देश्य बच्चों को भारत देश की एकता का बोध कराना है। चाहे हम भारत के किसी भी प्रांत या शहर में चले जाएँ, हमें यही लगेगा कि हम अपने घर में ही हैं क्योंकि भारत ही हमारा घर है।

कविता का सारांश

रानी बिटिया अपने घर से घूमने के लिए निकली। दिल्ली शहर से चलते-चलते वह चंडीगढ़ पहुँची। फिर चंडीगढ़ से जयपुर, जयपुर से रामेश्वर (रामेश्वरम्) और रामेश्वर से चलते-चलते फिर अपने घर को लौट आई। माँ के पूछने पर कि क्या वह कहीं बाहर घूमने गई थी। रानी बिटिया ने कहा कि मैं तो घर के अंदर ही थी क्योंकि पूरा भारत ही मेरा घर है।

अध्यापन संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से कविता की दोहराई करवाएँ। कविता में आए शहरों के बारे में बताएँ। बच्चों को बताएँ कि दिल्ली भारत की राजधानी है। चंडीगढ़ पंजाब और हरियाणा की राजधानी है। जयपुर राजस्थान राज्य की राजधानी है तथा रामेश्वर तमिलनाडु का एक दर्शनीय स्थल है।

बच्चों से पूछें–

- उन्हें घूमना-फिरना कैसा लगता है?
- कविता में तिरंगा झंडा दिया गया है। उन्हें बताएँ, भारत के राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग होते हैं–ऊपर केसरिया, बीच में सफ़ेद तथा नीचे हरा रंग होता है। सफ़ेद पट्टी या झंडे के बीचोंबीच एक चक्र होता है जिसमें 24 तीलियाँ होती हैं। बच्चों को इन रंगों का तथा चक्र का महत्व बताएँ। साथ ही, रंग किस बात का प्रतीक हैं, यह भी संक्षिप्त रूप में बता सकते हैं। अभ्यास में दिए गए मौखिक कौशल के शब्दों का बच्चों से उच्च स्वर में उच्चारण करवाएँ। बच्चों को प्रश्नों के उत्तर बताने के लिए प्रेरित करें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।